सीमा रंगा इन्द्रा

बेटियाँ मात-पिता की जान।
रहे कायम इनकी मुस्कान।।

पिता की आँखों का है नूर
सुता को प्यार मिले भरपूर
बचालो मिल इनका सम्मान
बेटियाँ मात पिता की जान।।

करें घर आए का सत्कार
करें हँस के कष्टों को पार
करो मत बेटी का अपमान
बेटियाँ मात पिता की जान।।

पिता के आंगन का है फूल
तोड़ इनको करना मत भूल
पूर्ण करने दो तुम अरमान
बेटियाँ मात पिता की जान।।

जगत की सभी निभाती रीत
सभी को देती घर में प्रीत
जन्म जिस घर हो भाग्यवान
बेटियाँ मात पिता की जान।।

सुनो बेटी की यही पुकार
रहे सदा मिलता बस दुलार
खुदा का हम तो हैं वरदान
बेटियाँ मात पिता की जान।।

सुना जब रेप केस का शोर
भारतवासी दिए झकझोर
करें सरकारें झूठा गान
बेटियाँ मात पिता की जान।।

नयन से गिरा सुता के नीर
दूर कर मिल बिटिया की पीर
ज्ञान सबको देना भगवान
बेटियाँ मात पिता की जान।।

*लाडली को किया तार तार
भला चुप क्यों है ये सरकार
पूज कर करते हो अपमान
बेटियाँ मात पिता की जान

मिले बेटी को अब इंसाफ
करें नहीं दरिंदों को माफ़
छुपाओ क्यों उनकी पहचान
बेटियाँ मात पिता की जान।।

पकड़ लो मिलकर वो जल्लाद
किया जिसने बेटी को बर्बाद
सुनाओ फांसी का फरमान
बेटियाँ मात पिता की जान।।